दसवाँ पाठ

हम धरती के लाल

देश हमारा, धरती अपनी, हम धरती के लाल,
नया संसार बसाएँगे, नया इंसान बनाएँगे।
सुख-स्वप्नों के स्वर गूँजेंगे, मानव की मेहनत पूजेंगे,
नयी कल्पना, नयी चेतना की हम लिए मशाल-
समय को राह दिखाएँगे।

एक करेंगे हम जनता को, सीचेंगे समता ममता को,
नयी पौध के लिए पहन कर जीवन की जयमाल-
रोज़ त्योहार मनाएँगे।
सौ-सौ स्वर्ग उतर आएँगे, सूरज सोना बरसाएँगे,
दूध पूत के लिए बदल देंगे तारों की चाल-
नया भूगोल बनाएँगे। नया संसार बसाएँगे।

—शील

©NCERT not to be republished

अभ्यास

शब्दार्थ

लाल	–	पुत्र, बेटा, सपूत	स्वप्न	–	सपना
संसार	–	दुनिया	समता	–	बराबरी का भाव
स्वर	–	ध्वनि, आवाज़	पूत	–	पुत्र, बेटा
राह	–	मार्ग, रास्ता, पथ	त्योहार	–	पर्व, उत्सव

1. कविता स

क

ख

ग

घ

2. वाक्य बनाओ

क

ख

ग

©NCERT not to be republished

3. शब्द–सज्जा

क

ख

क

ख

ग

घ

ङ

च

4. सोचो और बताओ

क

ख

5. कैसे?

क

ख

ग

घ

ङ

6. यह भी करो

©NCERT not to be republished